

अथवा

(ब) जया निर्व्विंदए भोए जे दिव्वे जे य माणुसे।

तया चयइ संजोगं सऽब्भितरबाहिरं ॥

4. आचारांग सूत्र ग्रन्थ के अनुसार आत्मबोध का वर्णन कीजिए।
5. उत्तराध्ययन सूत्र में प्रतिपादित जीवनमूल्यों को स्पष्ट कीजिए।
6. अष्टपाहुड ग्रन्थ के आठ पाहुडों के वर्ण्य-विषय पर प्रकाश डालिए।
7. “रोहिणीज्ञात कथा मनोरंजन एवं शिक्षा का अद्भुत मिश्रण है।” इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए।
8. भगवती आराधना ग्रन्थ के आधार पर साधक के लिए आवश्यक आचार-विचार की विवेचना कीजिए।
9. दशवैकालिक ग्रन्थ के आधार पर प्राणियों के प्रति करुणा भाव का वर्णन कीजिए।

**DPL-02**

**June – Examination 2022**

**Diploma in Prakrit Language  
Examination**

**प्राकृत गद्य-पद्य**

**Paper : DPL-02**

*Time : 1½ Hours ]*

*[ Maximum Marks : 100*

**Note** :- The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

**निर्देश** :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**Section-A**

**5×4=20**

**(Very Short Answer Type Questions)**

**Note** :- Answer any *five* questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 4 marks.

**खण्ड—अ**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :-** किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. (i) समणसुत्त के चतुर्थ खण्ड का क्या नाम है ?
- (ii) उत्तराध्ययन ग्रन्थ के प्रथम अध्ययन का क्या नाम है ?
- (iii) 'वाक्पतिराज' कृत ग्रन्थ का नाम लिखिए।
- (iv) वज्जा किसे कहते हैं ?
- (v) ज्ञान-प्राप्ति के बाधक तत्त्वों का नामोल्लेख कीजिए।
- (vi) आप्त के कथन के लिए किस शब्द का प्रयोग किया गया है ?
- (vii) 'सिप्पिपुत्तस्स कहा' कहाँ से ली गई है ?
- (viii) मुनिश्री 'कस्तुरविजय' कृत ग्रन्थ का नाम लिखिए।
- (ix) रोहिणी कथा का उपजीव्य क्या है ?
- (x) 'पाइएविण्णाण कहा' के प्रणेता कौन हैं ?

**Section-B**

**4×20=80**

**(Short Answer Type Questions)**

**Note :-** Answer any four questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 20 marks.

**खण्ड—ब**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :-** किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक गद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—  
(अ) 'तुमं णं पुत्ता! मम हत्थाओ इमे पंच सालिअक्खए गेण्हाहि, जया णं अहं पुत्ता! तुमं इमे पंच सालिअक्खए जाएज्जा, तथा णं तुमं मम इमे पंच सालिअक्खए पडिनिज्जाएज्जासि।' त्ति कट्टु सुण्हाए हाथे दलयइ, दलइत्ता पडिविसज्जेइ।

**अथवा**

- (ब) पियस्स आणा अणइक्कमणीअ, त्ति चिंतिऊण सा भोयणकाले ताणं थूलं रोट्टुगं घयजुत्तं देइ। तं दट्टुणं पढमो मणीरामो जामाया मित्ताणं कहेइ—“अहुणा एत्थ वसणं न जुत्तं, नियघरंमि अओ साउभोयणं अत्थि, तओ इओ गमणं चिय सेयं। ससुरस्स पच्चूसे कहिऊण हं गमिस्सामि”।
3. निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—  
(अ) भावे विरत्तो गणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण।  
न लिप्पई भवमज्जे वि संतो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं॥